https://doi.org/10.31995/jgv.2025.v16iSI005.018

वर्तमान शैक्षिक परिपेक्ष्य में डॉ0 जाकिर हुसैन एवं पं0 मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों का तुलनात्मक अध्ययन

श्रीमती शीरीन फातिमा
शोधार्थी
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय
गजरौला, उत्तर प्रदेश

Reference to this paper should be made as follows:

Received: 20.04.2025
Approved: 25.05.2025

श्रीमती शीरीन फातिमा

वर्तमान शैक्षिक परिपेक्ष्य में डॉ0 जाकिर हुसैन एवं पं0 मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों का तुलनात्मक अध्ययन

Vol. XVI, Sp.2Issue May 2025
Article No.18, Pg. 145-149

Online available at
https://anubooks.com/special-issues?url=jgv-si-2-rbd-college-bijnore-may-25

DOI: *https://doi.org/10.31995/jgv.2025.v16iSI005.018*

सारांश

डॉ जाकिर हुसैन एवं मदन मोहन मालवीय जी इस युग के सब से महान व्यक्ति थे। इन दोनों ने मानव जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित किया है। वर्तमान समय में हुसैन एवं मानवीय जी के शैक्षिक विचार अत्यंत महत्वपूर्ण हो रहे है। इन दोनों के शैक्षिक विचार द्वारा व्यक्ति में ऐसे परिवर्तन लाए जा सकते है। जो सामाजिक विकास एवं व्यक्ति के जीवन को उन्नतिशील बनाने की दृष्टिकोण से अनिवार्य है।

शिक्षा की प्रक्रिया एक बहु तत्वीय प्रक्रिया है। उसके अनेक आधारभूत तत्व है, अतः हुसैन और मालवीय के शैक्षिक विचारों को शिक्षा प्रक्रिया में सम्मिलित कर उसे सुदृढ़, प्रभावशाली एवं सशक्त बनाया जा सकता है। जिसके फलस्वरूप सामाजिक, सांस्कृतिक पारिस्थितिक गृह परिवेश, विद्यालय का वातावरण एवं उसकी अनेक विशेषताएं, शिक्षणविधि, पाठ्यसामग्री, शिक्षण सहायक सामग्री, अध्यापक एवं उसकी विशेषताएं, विद्यार्थी एवं उसकी विशेषताएं, अधिगम प्रक्रिया आदि अनेक चर है। जिसका विकास एवम परिमार्जन किया जा सकता है। डॉ. जाकिर हुसैन एवं मदन मोहन मालवीय जी की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक है, उनके व्यवहार एवं उनकी शैक्षिक विचार विद्यार्थियों के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। किसी प्रकार प्रभाव डालते हैं? यदि ऐसे प्रश्न हैं जो अभी तक अनुतरित है। इस दृष्टिकोण से शिक्षा में अनुसंधान की बहुत आवश्यकता प्रतीत होती है, और इसका अपना विशेष महत्त्व है।

मुख्य शब्द :

शैक्षिक प्रक्रिया, वातावरण, वर्तमान परिप्रेक्ष

**This article has been peer-reviewed by the Review Committee of JGV.*

शोध समस्या एवं कथन

वर्तमान शैक्षिक परिपेक्ष्य में डॉ जाकिर हुसैन एवं मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों का तुलनात्मक अध्ययन समस्या का सीमांकन प्रस्तुत शोध प्रबंधन में डॉ जाकिर हुसैन एवं मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों का ही तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. डॉ जाकिर हुसैन एवं श्री मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों का अध्ययन।
2. डॉ. जाकिर हुसैन एवं मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों का वर्तमान परिपेक्ष्य में तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध दार्शनिक विचारों पर आधारित है। इस शोध के अध्ययन की प्रवृत्ति मुख्य रूप से दार्शनिक, वर्णात्मक एवं ऐतिहासिक है। जो मूलतः ग्रंथीय एवं साहित्यिक अध्ययन पर आधारित है। शोध सामग्री को इकट्ठा करने के लिए विभिन्न पुस्तकालयों की सहायता ली गई। विभिन्न पुस्तकालयों का अध्ययन करने के पश्चात तटस्थता के साथ विषय वस्तु का विश्लेषण किया गया। शोध छात्रा ने अपने मस्तिष्क तथा तुलनात्मक क्षमता का प्रयोग अध्ययन के उपकरण के रूप में किया।

डॉ जाकिर हुसैन की जीवन दर्शन एवं शिक्षा दर्शन

डॉ जाकिर हुसैन का जन्म 8 फरवरी 1897 को हैदराबाद के एक संपन्न मुस्लिम परिवार में हुआ था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा का भार एक अंग्रेजी शिक्षक को सौंपा गया था। परिणाम इनके ऊपर प्रारंभ से ही पूर्व और पश्चिम के संस्कार पड़े हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से 1920 में इन्होंने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1920 में ही इन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना की। इसमें स्वयं ही शिक्षक के रूप में कार्य करने लगे, यहाँ से इनके शिक्षक जीवन की शुरुआत हुई।

शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. जाकिर हुसैन ने निम्नलिखित बिंदुओं पर बल दिया :–

1. डॉ. जाकिर हुसैन का शिक्षा दर्शन समुचित मानवजाति के विकास पर बल देता थे।
2. डॉ. जाकिर हुसैन का शिक्षा दर्शन सामाजिक विकास पर बल देते थे।
3. डॉ. जाकिर हुसैन ने राष्ट्रीय भावना से परिपूर्ण शिक्षा देने पर बल दिया।
4. डॉ. जाकिर हुसैन ने सर्वाधिक बल मानसिक विकास पर दिया था।

मदन मोहन मालवीय का जीवन दर्शन एवं शिक्षा दर्शन

इलाहाबाद में 25 दिसंबर 1861 में जन्मे पंडित मदनमोहन मालवीय अपने महान कार्यों चलते महामना कहलाए। मालवीय ने से अपना करियर इलाहाबाद जिला विद्यालय में एक शिक्षक के रूप में शुरु किया। आप एक शिक्षाविद थे। मालवीय जी ने एलएलबी करके पहले जिला अदालत और उसके बाद 1893 में इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत की। नरम दल और गरम दल के बीच कड़ी का काम करते हुए स्वतंत्रता संग्राम के पथ प्रदर्षन में से एक बने। दक्षिण पंथी हिंदू महासभा के प्रारंभिक ने तामें से एक मालवीय समाज सुधारक और सफल संसद थे। मदन मोहन मालवीय जी की विचार तत्कालीन सामाजिक जरूरतों के अनुसार शिक्षा के कुछ बिंदुओं पर बल दिया।

https://doi.org/10.31995/jgv.2025.v16iSI005.018

- चरित्र विकास
- स्वराज प्राप्ति करना
- विश्व बंधुता पर बल
- प्राचीन शिक्षा की रक्षा एवं भौतिक वाद से समन्वय बिठाना
- उदयोगों के विकास करना
- मातृभाषा के प्रयोग पर बल

वर्तमान परिपेक्ष्य में डॉ. जाकिर हुसैन एवं मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचारों की उपयोगिता

डॉ. जाकिर हुसैन के कार्यः

- जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना–डॉ जाकिर हुसैन ने 1920 जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना कि थी।
- 1926 से 1948 तक जामिया मिलिया इस्लामिया के कुलपति रहे।
- 1937 में इन्हें वर्ध शिक्षा सम्मेलन में भाग लिया।
- 1938 में हिन्दुस्तानी तमिल संघ सेवा ग्राम का अध्यक्ष चुने गए।
- 1948 से 1956 तक इन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में कार्य किया।
- 1957 से 1967 तक बिहार प्रांत के राज्यपाल रहे।
- 1962 से 1967 तक इन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

डॉ. जाकिर हुसैन के निम्नलिखित मौलिक ग्रंथों की रचना की कैपिटलिज्म, स्कोप एंड मैथड्स ऑफ इकोनॉमिक्स इथिक्स एण्डस्टेट, द डायनैमिक यूनिवर्सिटी डॉ. जाकिर हुसैन ने यूनानी दार्शनिक प्लेटों की द रिपब्लिक का उर्दू में अनुवाद किया।

मदन मोहन मालवीय के कार्य

कालाकॉकर को देशभक्त राजा रामपाल सिंह के अनुरोध पर मालवीय जी ने हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र हिंदुस्तान का 1887 से संपादन किया।

- आपने 4 फरवरी 1916 में बनारस विश्वविद्यालय की आधार शिला रखी।
- मालवीय जी ने वर्ष 1907 में एक हिंदी साप्ताहिक अम्युद्य भी प्रकाशन शुरू किया।
- 24 अक्तूबर 1909 को दलीड समाचार पत्र के अस्तित्व में आया।
- हिंदी मासिक पत्रिका मर्यादा के प्रकाशन में भी मालवीय जी का काफी योगदान रहा।
- प्रयाग में 1884 में हिंदी उद्द्घारिणी प्रतिनिधि सभा नामक संस्था की स्थापना की
- 1915 में इन्होंने इलाहाबाद में अखिल भारतीय सेवा समिति की स्थापना की।

मदन मोहन मालवीय द्वारा लिखित ग्रंथ

- Speeches and writings of Pandit Madan Mohan Malaviya

- A criticism of Montagu&Chelmsford proposals of Indian constitutional reform
- The immanence of God
- Pandit M- M- Malaviya's Letter to the Viceroy and Governor General of India on the Indian- Situation.

निष्कर्ष

वर्तमान समय में डॉ. जाकिर हुसैन तथा मदन मोहन मालवीय के शिक्षा दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इन की शैक्षिक विचारधारा के मूलभूत सिद्धांतों के आधार पर शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन परिवहन और परिमार्जन किया जा सकता है। डॉ. जाकिर हुसैन इस युग के सबसे महान व्यक्ति थे। उन्होंने मनुष्य जीवन के सभी पक्षों के प्रभाव को प्रभावित किया। डॉ जाकिर हुसैन ने भारतीय शिक्षा को भारतीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके उद्देश्य विस्तृत किए और पाठ्यचर्या विस्तृत की। डॉ जाकिर हुसैन वर्तमान में खड़े होकर भविष्य में झांकने की क्षमता रखते थे। अतः जिन आदर्शों और विचारों का प्रतिपादन उन्होंने किया था उनका अभिप्राय भविष्य से था।

पं मदन मोहन मालवीय शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति कारी परिवर्तन कराना चाहते थे। वे राष्ट्रीय समाज का सतत विकास शिक्षा के माध्यम कराना चाहते थे। वे समाज के निर्धन वर्ग के लिए निशुल्क शिक्षा की वकालत की साथ ही स्त्री शिक्षा की भी। जिससे उनके अंदर राष्ट्र की भावना जागृत हो सके। एक निरक्षर व्यक्ति राष्ट्र के विकास, समाज में हो रही गतिविधियों और परिवर्तन को नहीं समझ सकता। उन्होंने जरूरत के हिसाब से विभिन्न संस्थाओं की स्थापना की। जो आज भी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। इनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का वर्तमान में प्रासंगिक है। उपयुक्त विशेषताओं से स्पष्ट है कि हुसैन और मालवीय ने जी ने शैक्षिक विचार एवं शिक्षा दर्शन प्रस्तुत किया है। उसके प्रति समस्त शैक्षिक संसार और शिक्षण संस्थाएँआ जीवन अग्रणी एवं आभारी रहेंगी। यदि इन शैक्षिक विचारों का शिक्षा जगत में समुचित पालन किया जाए तो निसंदेह शिक्षा और भारतीय समाज को एक नई दिशा एवं नया जीवन प्रदान होगा समाज विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा।

संदर्भ

1. अंजलि (2021) पं मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचार टारगेट नोट्स
2. आध्यात्मिक रूप से भी स्त्री शक्ति के प्रबल पूजक थे मालवीय जी (2021) https%//panchjanya-com/2021/12/25/187789/Bharat/special&article&ofabout&madan&mohan& malviya/
3. वन्दे (2020) पंडित मदन मोहन मालवीय के शैक्षिक विचार–https%www-scothuzz&org/20/7/10mahamani&pt&madan&mohan&malaviya&hm
4. सरिता सुमित 2020 पंडित मदन मोहन मालवीय का शिक्षा दर्शन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) आधुनिक भारतीय शिक्षा 10 (2),13,19
5. www-jakirhusain-blogspot-com//pdf chapter10
6. गुप्ता राम बाबू भारतीय शिक्षा शास्त्री रतन प्रकाशन मंदिर आगरा (1996)

https://doi.org/10.31995/jgv.2025.v16iSI005.018

7. पण्डे राम शकल विश्व के श्रेष्ठ शिक्षा शास्त्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा (1986)
8. www-philosophyeducation-org
9. www-wikipedia-com
10. www-clessrtationtopic-com